वर्ग - 6

विषय – संस्कृत

स्वर एवं व्यंजन

स्वर

जिन्हें बोलने के लिए किसी अन्य वर्ण की सहायता नही लेनी पड़ती है , उसे स्वर कहते हैं। स्वर को अच् भी कहते हैं।

स्वर की संख्या 13 होती है ।

ह्रस्व स्वर :- जिनको बोलने मे एक मात्रा का समय लगता है , उसे ह्रस्व स्वर कहते है ।

इनकी संख्या **5** है । (**अ , इ , उ , ऋ , ऌ**)

दीर्घ स्वर :- जिनको बोलने मे दो मात्रा का समय लगता है , उसे दीर्घ स्वर कहते है ।

इनकी संख्या **4** है । (**आ , ई , ऊ , ॠ**)

संयुक्त स्वर :- जो दो स्वरों को मिलाकर बनें हो , उसे संयुक्त स्वर कहते हैं ।

इनकी संख्या **4** है। (**ए , ऐ , ओ , औ**)

व्यंजन

जिन्हें बिना स्वर की सहायता के नही बोला जा सकता , उसे व्यंजन या हल् कहते हैं ।

व्यंजन की संख्या 33 है ।

स्पर्ष व्यंजन :- इसकी संख्या **25** है ।

कवर्ग – क् , ख् , ग् , घ् , ङ् ।

चवर्ग – च् , छ् , ज् , झ् , ञ् ।

टवर्ग – ट् , ठ् , ड् , ढ् , ण् ।

तवर्ग – त् , थ् , द् , ध् , न् ।

पवर्ग – प् , फ् , ब् , भ् , म् ।

अन्तस्थ व्यंजन :- इनकी संख्या **4** होती है । (य् , र् , ल् , व्)

उष्म व्यंजन :- इनकी संख्या **4** होती है । (श् , ष् , स् , ह्)

नोट :- **इन्हे ध्यान से पढ़ें और याद करें ।**

विषय शिक्षिका

भारती कुमारी